गुरूवार

ॐ

संन्देश

"समर्पण ध्यान" मे किसी भी व्यक्ती का अलग से कोई अस्तीत्व नही है। आत्माओ की "आत्मीय सामुहीकता" ही "समर्पण ध्यान" की वास्तव मे शक्ती है।

बाबा स्वामी
24-1-2003